



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 13, 1992/फाल्गुन 23, 1913

No. 45] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 13, 1992/PHALGUNA 23, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

आण्डिय संकालन

(आयात आपार नियन्त्रण)

सार्वजनिक सूचना सं० 281-आईटीसी (पीएन)/१०-१३

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1992

विषय: 1991-92 के लिए 710 मिलीयन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत-गवर्नरेंट कालिज और इंजीनियरिंग, पुणे में उपस्कर के आयात से संबंधित लाइसेंसिंग भरते।

फाइल सं. आईटीसी सी/23(89)/१०-१३—१९९१-९२ के लिए 710 मिलीयन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत-गवर्नरेंट कालिज और इंजीनियरिंग, पुणे में उपस्कर के आयात और जापान से भारत के पत्तनों को उपस्कर के परिवहन के लिए अप्रेक्षित सेवाओं संबंधी भर्ते जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं। एतद्वारा सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

डॉ. आर. भेदता, मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

आण्डिय संकालन की सार्वजनिक सूचना सं. 281-आईटीसी (पीएन)/१०-१३ दिनांक 13-३-१३ का परिचालित।

वर्ष 1991-92 के लिए 710 मिलियन येन (येन 710,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत गवर्नरेंट कालिज और इंजीनियरिंग, पुणे के लिये उपस्कर का आयात और उपस्कर का भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिये आवश्यक सेवाओं हेतु लाइसेंसिंग भरते—

(खण्ड 1) सामान्य भर्ते

1(1). वर्ष 1991-92 के लिए 710 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता उपस्कर के आयात के लिए और उसके भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए सेवाओं को दी जाने वाली अदायगी के वित्त पोषण के लिए है।

1(2). आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 790 मिलियन येन (आयत बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक 1991-92 के लिए 710 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए

लाइसेंस कोड "एस/जे एल" होगा। परंतु सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत आने वाली मर्दों के लिए कोई आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1 (3). विदेशी मुद्रा के किसी भी प्रेरण की मनुमति प्रायात लाइसेंस के लिये नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकार्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकार्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

1(4). उपर्युक्त की प्राप्ति इस भनुदान के अंतर्गत ज्ञापन से ही की जाए।

1(5). प्रायात लाइसेंस लाभात बीमा भारा आधार पर जारी किया जाएगा जो कि 8-12-92 तक विल रहेगा।

1 (6). संविदा में नक्व भावार पर प्रथात् बैंक ग्राहक इंडिया, दोकियों को जापानी संभरकों द्वारा पोतमवान दस्तावेजों को प्रस्तुत करते पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुरुदीर्घी की भवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“सूपूर्दगी 8-12-92 तक पूर्ण की जानी है”।

1 (7). संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर येन में वर्णया जाना चाहिए (येन के भिन्न को हटा दिया जाना चाहिए) और भास्तीय प्रभिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो भास्तिक्ष नहीं किया जाना चाहिए। भव्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में प्रभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि भलग-भलग प्रदर्शित की जानी चाहिए, परंतु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़ का छर्चा वास्तविक आधार पर कैप होमा या ठेके में त्रिविष्ट किए गए चाड़े का अर्थ वास्तविक खचों के भवितिक वेय धनराशि होगी।

1(8). क्य संविदा जापानी येत में केवल जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी ईध व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संधरक की पात्रता दर्शायी गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।

बाट 2—समरथ ठेको म निम्नालिखित शर्तें विधिष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए—

2(1). 1991-92 के लाएं 719 मिलियन यैन की अनुवान सहायता के संबंध में इस सोबता की व्यवस्था 9 दिसंबर, 1991 को भारत और जापान को सरकार के बाल द्वारा समझौते के अनुभार की गई है और वह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2 (2). विदेशी संभरकों को भुगतान उस भुगतान के लिए “प्राधिकार पत्र (एपी) के साथ्यम से किया जाएगा जो 1991-92 के लिए जापानी मनुदान सहायता के घटीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के द्वारा में सहायता एवं लेक्षा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय वाणिक कार्य विभाग, ईडिन वाणिल भवन, ५वा तल (बी.विं) जगपथ नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3). जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहभत है जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित है।

2 (4). जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विचार विमर्श करके पोतलदान की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया हो और उस उद्देश्य से वह शामिल माल की हिलीबरी के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम से कम छह हफ्ते पहले घरेक्षण पोतलदान की घटियसूचना भारतीय दूतावास को देगा साथि समुचित व्यवस्था की जा सके। प्रथमाद स्वरूप भगवर आद्यतिकर्ता जहां हो तो नॉटिस भी इस घटविय को काम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलदान के बाद आयातकर्ता को केवल द्वारा आवश्यक व्यरी की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति प्रारंभी दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी

खंड 3.—भारत सरकार और जापान स्थान ठेके का प्रतिमोदन

3 (1). जैसे ही प्रादेशों को अंतिम रूप दे दिए जाने ह, याइसेंसधारी को बोनों पाटियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित टेके की पांच प्रतियाँ या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए अप्रयादेश के साथ जापानों संभरक द्वारा लिखित रूप में पुस्टिकरण प्रादेश की चार प्रतियों सहित मसी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ यन्त्रांश-1 के प्रपत्र में “ए/पी” जारी करने के आवेदन की दो प्रतियों सहित प्रबर सत्तिव्र (जातन आधिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय नार्य ब्लाक, नई दिल्ली को सेजों चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया मंविदा की विषय दस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आणोधनों से उत्पन्न सभी मविदा संणोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2). वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), जापान अनुभाग, 1991-92 के लाए 719 मिलियन येन की जापानी यन्हुआन सहायता के प्रतीत वित्तवान देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को मनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा; य लेखा परीक्षा तिवंत्र और सार्वत के द्रुतावास, टाकियों को भी भेजा जाएगा।

3 (3). जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद यित मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग, नार्थ डिलाक जापान अनुभाग उक्ता सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, प्राथिक कार्य विभाग यित मंत्रालय, हैंडियन आयत भवन 5थी तला वी बिंग जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देशा जो कि जापानी संभरक को भुगतान प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियो भारत सरकार का तृतीवास टाकियो, प्राथालक भारत में आवातक के दैन और विष्व मंवात्रम, प्राथिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को देशी जाएगी।

3 (4). भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एपी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ हस्तियां टीकिया जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टीकियों, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की मूलता में संभरक की स्वतंत्रता कराएंगा।

3 (5). पोतनशन करने के बाद जापानी संभरक अपने बैकरों के माध्यम से ए/वी में उल्लिखित वस्त्रावेज बैक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि वस्त्रावेज सही पाए गए तो बैक आफ इंडिया, टोकियो वस्त्रावेजों में उल्लिखित प्रत्यरूप जापानी संभरक को अपने बैकरों के माध्यम से रिहा करेगा ।

3(6), जापानी मंभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक आक इंडिया, टोकिमो को देव बैंकिंग प्रमार्दी को भुगतान सारा में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रमाणित किए बिना सामान्य बैंक सूची के माध्यम से बैंक आक इंडिया, टोकिमो को धन परेवण द्वारा तय किया जाएगा।

स्थान 4—रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्वा

4(1). मूल पराक्रम्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक आफ इंडिया टांकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जाएंगे जो कि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबंध-1 में (ण) पर यथा उल्लिखित किसी राष्ट्रीय कृत बैंक की एक आवाही जो संबंधित आयातक को पराक्रम्य जहाजरानी दस्तावेज रिक्वार करने से पूर्व इन आन को मुनिशिवन करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येत भुगतान को समनुच्य शर्यो को धनराशि के बराबर रखण उन मामलों में जहां देने याप है, ब्रांज के प्रमाणों महिने मुख्य धनाधारी की राशि महिस संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टांकियो द्वारा भुगतान की तिथि में से बास्तविक रूपये जमा करने की तिथि तक की बढ़वी पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष यो दर से और येत चारों दिनों के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से हिसाज लानाकर ब्रांज सार्वजनिक

सूचना सं. 31-आईटीसी(पीएन)/83, विनांक 20-8-83 और 35-“आईटीसी(पीएन)/83, विनांक 26-8-83 की शर्तों के अनुसार सरकारी लेख में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों प्रथम जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेख में रपया किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी(पीएन)/76, विनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 230-आईटीसी(पीएन)/85-88, विनांक 20-7-87 द्वारा संबोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी(पीएन)/74, विनांक 31-5-74 मायातक द्वारा किए जाने वाले रपये निक्षेपों के निकटम रपये में दिया जायगा। विदेशी संभरक को किए गए ये भुगतान के समनुव्य रपये की गणना करने के लिए भवनायी जाने वाली विनियम की दर सुगतान को हारीख को लागू दिनियम की यह मिथिल दर होती जो सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी(पीएन)/76, विनांक 17-1-76 कथा सार्वजनिक सूचना सं. 113-आईटीसी(पीएन)/88-91, विनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार नियित की गई हो जो मुख्य नियमक, प्रावाद-नियर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनियम नियन्त्रण परिवदा के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इन संबंध में और व्याज की दर के संबंध भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होता अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की विमेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौधरे से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर वी गई है। भ्रातातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि आयात से पहले अद्यतात्री खाते में सुरुदंगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण को विमेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भाने ही अब ये विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमांत्रक प्राधिकारियों से माल की सुरुदंगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार के देय धनराशि को माल की सुरुदंगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए। जिन लेखों में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह “के डिपाजिन एण्ड एडवाइज 8443 तिविल डिपाजिन्ट-डिपाजिट्स फार परवेजिन एंटरप्रायर एण्ड प्रॉडर ग्रांट एण्ड फोम दि नजरेमेट आफ जापान फार 1991-92 ग्रांट, फार वि परवेज, आफ एक्सप्रेस/सर्विज आफ गवर्नरेंट कालिज आफ इंजिनियरिंग पुणे, होगा।

4(2) उपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ हडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के अपरी दाहिनी ओर कोने में कोड में 5160000009 का संकेत देते हुए या ऐसा सभव न हो तो पैसा भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अनुबंधी शाखा या किसी राष्ट्रीय बैंक (इयावी इयार) से डिम्बेंड इन्स्टेक्टर उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी विल्ली-6 (इयावी एण्ड ऐपी को घ्राता किया जाए लिखकर सरकार की साक्ष में सार्वजनिक सूचना नं. 103-आईटीसी(पीएन)/76, विनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित है में जमा होना चाहिए।

4(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसा किया जाने वें वाच सात दिनों के भीतर भारत में संबंध बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से यह आर्थिक धनराशि सेवा खातों के नियमित भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मार्गी जाए। चालान के विभिन्न कालानों को भरते समय आयातबों/उनके बैंकरों जो हमें बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी(पीएन)/76, विनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेयण” और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण छोरे में निरपेक्ष रूप से निश्चित किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्यौरे निरपेक्ष रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र भी संक्षा और विनांक।

(ख) ये न सुदा को वह प्रारंभिक नियमों संबंध में अपनाई गई परिवर्तन भी दर के साथ नियम किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने भी तिथि।

(घ) ग्राम किए गए व्याज की राशि और भवित्व नियम के लिए ग्राम।

(ङ) कुल जमा राशि।

(ज्ञाज भी गणता जापानी संभरक को अवश्यकी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समक्ष स्पष्ट सरकारी खाते, में जमा कराया है, की जाएगी।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोल-परिवर्तन दस्तावेजों की संलग्न करने हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष देते हुए पंजीकृत उक्त छाग भी, ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना है।

टिप्पणी—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का नियेव भारतीय बैंक टोकियो की अवायी की सूचना और प्रपरिवर्तनीय पोतलशन दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निश्चावाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बदली भी, ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संदर्भ भारतीय बैंक को लाइसेंस भी सुदा विनियम नियन्त्रण प्रति पर रूपया नियेवों भी धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एम” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, व वई की भेजना चाहिए। ४४२—५ वित्त व्यवस्थाएं।

5(1) अनुशान सहायता के उपयोग करने वी रिपोर्ट।

संभरक को भी जाने वाली घ्रातायियों को राशि और तारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को भला से अवस्था करनी होती, आयातक के बैंक द्वारा या वित्त में प्रति पोत परिवहन इत्यरिदि। प्रतेको की प्राप्ति के रूपया नियेव राशि पर वेद व्याज राशि को आंशिक या पूर्ण हाथ में भाक करने का कारण नहीं साना जाएगा।

आयातक का पोतनदान और उसके प्रवीन किए गए अनुशान और योग धनराशि के बारे में साव वद खोलने के बाद एक नामिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय इंडियन आयत भवन, 53 व तत (यी विं) जनरल, नई दिल्ली-110001 को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को उन किसी विवेद उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुशान सहायता के अन्तर्गत माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

5(3) विवाद—यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तों अनुबन्ध-1 में “कुगतान की शर्तों” के अन्तर्गत अच्छी सहान से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के विषयाने से संबंध अवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(4) भावी अनुदेश—जापान से 1991-92 के लिए अनुशान सहायता के अन्तर्गत आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या मामलों से संबंधित या जापान से इस अनुशान सहायता के अन्तर्गत सभी आयातों का पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए नियेवों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अक्षिक्षण या उत्तर्वेदन—उत्तर्वेदन खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अक्षिक्षण या उत्तर्वेदन करने पर आयात-विवर्य (मियंत्रण) आधिनियम के ग्रामीन उत्तरित कार्यालयी भी आदेश।

8. यह भुगतान प्राधिकार पक्ष-----का वैयक्ति रहेगा।
 9. इस प्राधिकार पक्ष के गार्व प्रदिव्या जाए हैं एवं इन्हीं द्वारा संबंधित सारे पदाचार में और बीजक में ग्राहकी दर्शाने द्वारा तुप्रे पीछे देखे जाएं।

भवदीय,
 (लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:

1. आयातक की उपके पक्ष सं-
 विनांक के संबंध में।

उनसे धनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व नवीरित धर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रूपये निषेष आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सार्वत्र हो सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोत लाशन दस्तावेज भेजे जिन ही प्राप्त कर ली गई ही तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निषेष किए जाने चाहिए। विदेशी गटिकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में ही सम्बन्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निषेष कर दिए जाएं। निषेष जल्दी ही और ठीक से स करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर

(1) यह प्राधिकार पक्ष येत क्रेडिट के अवधारणा आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई करें।

(2) उनसे निषेष किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो बांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विवेशी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रूपये जमा करने की अवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-मार्ईटोसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-मार्ईटोसी (पीएन)/88-89 दिनांक 6-4-88 या अर्थ ऐसी ही सार्वजनिक सूचना को समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विवेशी संभरकों को भुगतान करने को गिरियों को यथा प्रबलित परिवर्तन की निषित दर पर की जाएं। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से अवाज जारी संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रूपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्ईटोसी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 5-मार्ईटोसी (पीएन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार मार्त लाइसेंस के नेत्रों में जमा कराता है। अवाज वालों दिनों के लिए देख है अर्थात् वह सारी जिसको विवेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसकी भारत सरकार के लेखों में रूपया जगा कराया जाता है। (अब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-मार्ईटोसी (पीएन)/8-5-88 की शर्तनियां आयातक द्वारा निषेष किए जाने वाले रूपये की गणना निकटस्थ रूपये के गृणक में की जाती चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सैट संपादन किए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वे घनराशियों तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में जालान के बाहिनी प्रौद कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस सम्बन्ध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 603-मार्ईटोसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों को भी देख दिलाया जाता है। बहुलेखा गार्व जिसमें रूपया जमा करना है के डिपोजिटस एंड एश्वर्सीज-8443-सिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नोट बेयरिंग इन्ड्रेस्ट्रियोजिट्स फार पर्चेजिज एंटसेट्रा अबरोड पर्चेजिज प्रांड एंड प्राम दि गवर्नरमेट आफ आयात आप फार प्रांडर डिटेल्ड हुए 719 मिलियन येन प्रांड एंड फार पर्चेज आफ इन्डिपेंट्स/सर्विजिज फार पुणे इंजीनियरिंग कानेज, पुणे होगा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-मार्ईटोसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किए गए उन मामलों में जालान, को मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक भाँक इंडिया, टोकियो शाला से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक चेक्षण पत्र होना चाहिए:—

सहयोग लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
 वित्त मंत्रालय, (आधिकारिक कार्य विभाग),
 इंडिया आयल भवन, 53 लल (वी विंग),
 जनपथ, नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊर लंकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शानी हुए द्वारा प्रेषित करना है उसको सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रूपये चूकाये गए अवाज की राशि और वह अवधि जिसके लिए अवाज गिना गया है, का पुरा अंदरा इस विभाग की सेजना चाहिए।

(6) ग्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों, के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे भारतीय बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो के बीच साथे तथ किए जाने चाहिए।

(7) विवेशी मुद्रा के प्राधिकृत लोलर के रूप में बैंक के कलंधु एवं जिम्मेदारियों की भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिवर्तन में विनियोजित किया गया है। इन संबंध में 18-6-1977 के ए.डी. परियन सं. 22 को और विशेष ध्यान आर्किप्त किया जाता है।

3. भारतीय रूपावास, टोकियो।

4. अपर सविधि, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई.डी.सं. दिनांक के संस्करण में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 281 ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 13th March, 1992

Subject :—Licensing conditions for import of equipment for the Government College of Engineering, Pune under Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 719 Million—regarding.

File No. IPC/23(89)/90-93.—The terms and conditions for import of equipment for the Government College of Engineering, Pune and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under

Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 719 million are contained in the Appendix to this Public Notice and notified for information.

Sd/-

D. R. MEHTA, Chief Controller of
Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 281 ITC(PN)/90-93, dated 13-3-92

Licensing conditions for import of equipment for the Government College of Engineering, Pune and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1991-92 of 719 Yen Million (Yen 719,00,000).

Section I General Conditions :

I (i) The Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 719 million is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for import of equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 790 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 719 million Japanese Grant Aid for 1991-92". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 8-12-92.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis, i.e., on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 8-12-92"

I (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical person controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II : The following provision should be specifically incorporated in the supply contract.

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 9th December, 1991 between the Governments of India and Japan concerning the Grant-Aid of Yen 719 million for 1991-92 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to Pay" (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Fin-

ance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1991-92.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III : Contract Approval by Governments of India and Japan

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 719 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form of Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges theron calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-3-1974 as modified under Public Notice No. NI.103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-17C(PN)/88-88 dated 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the Import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-deposits and Advances 8443-Civil Deposits not bearing interest, deposits for purchases etc.. abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1991-92 Grant for purchase of equipment/service for Government College of Engineering, Pune.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi Indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Bank's Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans:—

(a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.

- (b) Amounts of Yen Currency in respect of which deposit are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.—The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by the importers' Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions.—The importer shall promptly comply with any directions, instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for from Japan.

V (v) Breach or violation.—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :

Annexure I : Request for issue of A/P.

Annexure II : Form of A/P

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION
TO PAY

To,

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
'B' Wing, Vth Floor,
Janpath Bhavan, Janpath,
New Delhi.

Subject.—Import of Equipment for Government College of Engineering Pune. Services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 719 million for 1991-92.

Sir,

In connection with the import of equipment and services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the B.O.I., Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and value of the import license and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and portable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo—importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers made are approved by us and the payments made to suppliers".

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject.—Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant-Aid of Yen 719 million, for 1991-92 Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 9th December, 1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payments to the foreign suppliers, you should send to _____ to _____ (Name and address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any).

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers, Bankers if any, payable to you by the importers, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter

No. _____ dated _____ They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker

(i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese supplier on receipt of the document from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17th January, 1976 and 113-ITC PN/88-89 dated 6th April, 1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalent are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of public notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10th August, 1983 and No. 35-ITC (PN)/83 dated 26th August, 1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20th July, 1987 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the SBI, Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice : No. 105-ITC(PN)/76 dated

12th October, 1976. The head of account to be credited is K-Deposits & Advances-8443-Civil Deposits, Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under grant aid from Government of Japan for under detailed head "Yen 719 million grant aid for purchases of equipment/services for Pune Engineering College, Pune.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October, 1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Vth Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24th October 1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. circulars of the R.B.I specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18th June, 1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dated

()

Accounts Officer